बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-2 कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

सोमवार, तिथि 21 जनवरी 1985 ।

विषय-सूची

शून्य-काल की चर्चाएं : 1—3

(क) श्री चतुर्भुज सिंह की मृत्यु

(ख) चापाकलों को चालू कराना

(ग) प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा गोली चलाना

(घ) मधुबनी जिला के किसानों में निराशा

अत्यावश्यक लोकमहत्व के विषय पर ध्यानाकर्षण एवं उत्तर सरकारी वक्तव्य : 3—4

राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद : (स्वीकृत) 4—54

निवेदनों के सम्बन्ध में सूचना :

वैधिक विधायन : 55—56

टिप्पणी—किसी जो मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधन नहीं किया है, उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिये गये हैं ।

भेज दिया गया। श्री चतुर्भुज सिंह की मृत्यु जेल में हो गयी। अतः मैं मांग करता हूं कि श्री सिंह के परिवार को एक लाख रुपया मुआवजा दिया जाय और कर्मचारियों के मांग को अविलम्ब मान ली जाय।

(ख) चापाकलों को चालू कराना।

श्री अब्दुल सलाम—अध्यक्ष महोदय, दरभंगा जिला अन्तर्गत जाले एवं सिंहवाड़ा प्रखण्ड के सभी चापाकल मरम्मती के चलते खराब है तथा साल भर से पैसे के अभाव में इसको मरम्मती नहीं करायी जा रही है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि निधि देकर मामूली मरम्मती कराकर चापाकल को चालू किया जाय।

(ग) प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा गोली चलाना।

श्री अकलू राम महतो—अध्यक्ष महोदय, सिवान जिलान्तर्गत गुठनी प्रखण्ड कार्यालय पर दिनांक 22 जनवरी 1985 को किसान एवं मजदूर इंडियन पीपुल्स फ्रन्ट के तत्वाधान में कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने बर्बरतापूर्वक गोलियां बरसाई जिसमें महिलायें और दर्जनों मजदूर घायल हुए। श्री अमर नाथ यादव नामक व्यक्ति पी० एम० सी० एच० में भर्ती हैं। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार के विरोध एवं खाद, बीज उपलब्ध कराने हेतु प्रदर्शन कर रहे थे। अतः सरकार से मांग करते हैं कि घटना की न्यायिक जांच की जाय एवं गोली चलाने वाले पुलिस पदाधिकारी को शीघ्र ही निलंबित किया जाय।

(घ) मधुबनी जिला के किसानों में निराशा।

श्री रामलखण राम 'रमण'—मधुबनी जिला से किसानों में गन्ने को उपज को पैदा करने और उसका समुचित लाभ प्राप्त नहीं कर पाने के कारण घोर निराशा फैल गयी है। इस जिले में तीन चीनी मिलें, लोहट, रैयाम और सकरी वर्षों से सरकारी उपेक्षा का शिकार बने रहने के कारण गन्ने की पेराई का काम कम हो पाता है। पहले सात-आठ महीने पेराई का काम होता था लेकिन अब मात्र एक-दो महीना ही हो पाता है।

गन्ना पैदा करने वाले किसान कारखाने में अव्यवस्था से परेशान रहते हैं। इसका कारण यह है कि विलम्ब से पेराई प्रारम्भ करना, गन्ना पहुंचाने की असुविधा, समय पर कीमत का भुगतान नहीं होना, उचित लाभप्रद मूल्य का नहीं मिलना आदि है।

उस क्षेत्र में नकदी फसल के रूप में किसान गन्ना ही उपजाते हैं, पहले एक मुश्त पैसा मिलता था जिससे वे सालों भर निश्चिन्त रहते थे लेकिन अब ऐसा नहीं होने से